नहीं होगी भाषणबाजी सिर्फ रामधुनी और भजन होंगे

इधर अनशन से विधायकों, प्रमुख नेताओं को रखा दूर, लेकिन समर्थक जुटेंगे

- **पायलट डिप्टी सीएम बने, तब मुद्दा क्यों नहीं उठाया, इस तरह अनशन करना गलत : रंधावा**
- **प्रभारी रंधावा बोले, ''सचिन पायलट ने इस मुद्दे पर कभी मुझसे बात नहीं की, मुझे बताते चिट्ठियों की बात, तो मैं मुख्यमंत्री से पूछता, फिर कुछ नहीं होता तो अनशन करते''**

जयपुर, (का.प्र.)। सचिन पायलट की ओर से भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाकर 11 अप्रैल को किए जा रहे अनशन को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयान जाहिर कर रहे हैं कि वे या तो सचिन पायलट को नजरअंदाज कर रहे हैं, या फिर उन्हें कहीं कमजोर बताने का प्रयास किया जा रहा है। यही कारण है कि सचिन पायलट की भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ की गई प्रेस कांफ्रेंस के बाद पहले जयराम रमेश का बयान आता है। उसके बाद राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भ्रष्टाचार के मुद्दे की बात का तो समर्थन करते हैं, लेकिन सचिन पायलट की ओर से अपनाए जाने वाले रास्ते को गलत बताते हैं। वहीं दिल्ली में जब पवन खेड़ा से पूछा जाता है तो वह इस मुद्दे पर यही कहते हैं कि जांच तो भ्रष्टाचार के मुद्दों पर हो रही है और फिर भी किसी को शिकायत है तो वह प्रभारी से मिलकर अपनी बात कहे। यानी की कुल मिलाकर आलाकमान की ओर से मीडिया विभाग और प्रभारी की ओर से जो बयान सामने आए हैं, उन बयानों से लगता है कि अनशन के मुद्दे को पार्टी ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाह रही है।

इधर सचिन पायलट के अनशन को लेकर शहीद स्मारक पर तैयारी पूरी हो गई है। खास बात यह है कि अनशन स्थल पर किसी तरह की कोई भाषणबाजी नहीं रखी गई है और पूरे दिन यहां भजन और रामधुनी का कार्यक्रम होगा। वहीं सचिन पायलट सुबह 11 बजे अकेले ही अनशन पर बैठेंगे। किसी अन्य विधायक या नेता को यहां नहीं बुलाया गया है।

इस बीच पहले जहां सचिन पायलट ने जब भ्रष्टाचार के मामले को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा और वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों की जांच नहीं करने के आरोप लगाए थे। वहीं इन आरोपों के बाद में पार्टी का अधिकृत बयान देते हुए जयराम रमेश ने अशोक गहलोत की योजनाओं पर अगला चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। वहीं अब राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सचिन पायलट ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है, इसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन उन्होंने सीधे ही अनशन की घोषणा कर दी, उन्होंने इस बारे में कभी भी मुझसे बात या चर्चा नहीं की है। रंधावा ने कहा कि सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री को इस मामले को लेकर चिट्ठियां लिखी हैं, लेकिन मैं जब भी राजस्थान आया, मेरी उनसे बात होती रही है, उन्होंने अन्य मुद्दों पर बात की, लेकिन कभी भी चिट्ठियों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं दी। यदि वह मुझे बताते तो मैं मुख्यमंत्री से बात करता और उसके बाद यदि कुछ नहीं होता तो उन्हें अनशन करना चाहिए था। इस तरह से सीधे ही अनशन की घोषणा किया जाना सही नहीं है।

वहीं प्रभारी रंधावा ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री तो मैं भी नहीं बन पाया, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं पार्टी छोड़ दूं। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि कम उम्र में सचिन पायलट को पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। वह डिप्टी सीएम बने हैं। रंधावा ने यह भी कहा कि जब डिप्टी सीएम बने थे तब उन्होंने यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया। इसी के साथ रंधावा ने कहा कि मैं मंगलवार को जयपुर आ रहा हूं और वहां चिट्ठियों को लेकर जानकारी लूंगा और मुख्यमंत्री से भी बात करूंगा। वहीं सचिन पायलट से बात करूंगा। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी मुद्दा या मसला सड़क पर हल नहीं होता। मुद्दे तो बातचीत के जरिए ही हल किए जा सकते हैं।

रंधावा के अलावा कांग्रेस मीडिया और कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने भी दिल्ली में मीडिया की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में सचिन पायलट की ओर से उठाए गए जांच के मुद्दों को लेकर कहा कि जांच तो हो रही है। संजीवनी के मामले में और कोरोना के दौरान राजस्थान में भाजपा के नेताओं ने सरकार गिराने का जो प्रयास किया था, जांच तो उसकी भी हो रही है। उनके तार कहां तक जुड़े थे, इस बात की भी जांच हो रही है। कुल मिलाकर इस पूरे मामले में कांग्रेस आलाकमान और दिल्ली के नेताओं के अब तक जो बयान आए हैं, या प्रभारी रंधावा ने जिस तरह से बयान दिया है उससे एक बात तो स्पष्ट है कि कांग्रेस सचिन पायलट को लेकर या उनकी ओर से उठाए गए मुद्दों पर बात कर रही है।

मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले चार को कारावास

जयपुर, (का.सं.)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करने वाले पिता राजाराम विश्नोई और उसके बेटे अरुण कुमार सहित दो अन्य धर्मपाल जाट व प्रभुलाल गुर्जर को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं एक अन्य के खिलाफ जांच लंबित चल रही है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है और इसके आसानी से उपलब्ध होने के चलते युवा वर्ग में इसके सेवन का प्रचलन बढ़ा है। जिसके चलते इनका विकास भी अवरुद्ध हो रहा है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से नशा मुक्ति केन्द्र व एंटी ड्रग्स चौकियां खोलकर मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ नरमी का रुख अपनाना उचित नहीं है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि एसओजी को 23 जनवरी, 2017 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक बोलेरो गाडी चित्तौड़गढ़ की तरफ से आ रही है और पंजाब की तरफ जाएगी। इस गाड़ी में भारी मात्रा में हथियार हो सकते हैं। इस पर एसओजी ने भीलवाडा पुलिस के सहयोग से कंवलियावास टोल नाके पर नाकाबंदी की और कार को रुकवाया। पुलिस को तलाशी में एक-एक किलोग्राम के चार प्लास्टिक की थैलियों में अफीम बरामद हुई।

पाकिस्तान से आई 9 किलो हेरोइन जैसलमेर बॉर्डर पर जब्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान की टीम ने रविवार को पाकिस्तान से जैसलमेर बॉर्डर पर आई 9 किलो हेरोइन बरामद कर एक बोलेरो कैम्पर गाड़ी जब्त की गई है। इस उच्च क्वालिटी हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि

- **सी.आई.डी. और पुलिस टीम ने चार तस्करों को दबोचा**
- **आरोपियों से जब्त हेरोइन उच्च क्वालिटी की है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 35 करोड़ रु. आंकी जा रही है।**

गिरफ्तार आरोपी

मोहनगढ़ क्षेत्र में सूरतगढ़ निवासी अमर लाल भादू और सुथार मंडी रोड निवासी रामचंद्र बिश्नोई तथा थाना कोतवाली में बटोड़ा निवासी जोगेंद्र सिंह व म्याजलार निवासी तस्कर माधव सिंह को गिरफ्तार किया है। शनिवार को उपमहानिरीक्षक पुलिस अपराध डॉ. राहुल प्रकाश की मॉनिटरिंग में जैसलमेर जिले के थाना मोहनगढ़ और कोतवाली इलाके में दो अलग-अलग कार्रवाई एएसपी नरोत्तम वर्मा व इंस्पेक्टर राम सिंह के नेतृत्व में की गई है।

मिश्रा ने बताया कि पिछले 1 महीने से सीआईडी जयपुर की टीम नजर रखे हुए थी। मुखबिर से मिली सूचना पर एएसपी नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में इंस्पेक्टर राम सिंह और हैडकांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा को आसूचना संकलन के लिए जैसलमेर भेजा गया था। डीआईजी राहुल प्रकाश मुख्यालय से मॉनिटरिंग कर रहे थे। जैसलमेर पहुंची पुलिस टीम को पता चला कि जैसलमेर के रास्ते बॉर्डर पार पाकिस्तान से हेरोइन की डिलीवरी लेकर स्थानीय तस्कर राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व दिल्ली तक सप्लाई कर रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि इस सूचना को पुख्ता करने के लिए एएसआई शैलेंद्र शर्मा, कॉन्स्टेबल नरेश, देवेंद्र और चालक विश्राम को भेजा गया था। सूचना पुख्ता होने पर शनिवार को मुख्यालय से टीमें गठित कर जैसलमेर भेजी गई। जैसलमेर के मोहनगढ़ क्षेत्र में अमरलाल भादू और रामचंद्र विश्नोई के पास से 500-500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके संबंध में थाना मोहनगढ़ पर मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद जैसलमेर में ही कोतवाली इलाके से जोगेंद्र सिंह को उसके घर से 8 किलोग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। जोगेंद्र सिंह की सूचना पर हेरोइन तस्कर माधो सिंह को भी दबोचा गया। फिलहाल कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने में मुख्यालय की टीम में एएसपी नरोत्तम वर्मा, एसआई सुभाष सिंह तंवर, एएसआई शैलेन्द्र शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, हैड कॉन्स्टेबल हेमन्त शर्मा, कॉन्स्टेबल प्रमोद शर्मा, नरेश चौधरी, भूपेन्द्र शर्मा, देवेन्द्र सिंह, बृजेश शर्मा, लोकेश, मोहन लाल एवं चालक विश्राम मीणा व संदीप कुमार शामिल रहे।

जबकि सी.आई.डी (सीबी) रेंज सैल जोधपुर टीम के पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल सुमेर सिंह व चन्द्र सिंह, कांस्टेबल, लक्ष्मण सिंह व सुरेन्द्र सिंह की भी अहम भूमिका रही। सीआईडी रेंज सैल बीकानेर के एएसपी डॉ. प्यारे लाल शिवरान, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल किशोर सिंह व मनोहर लाल व चालक बस्तीराम तथा सीआईडी एचसीएमयू रेंज बीकानेर के एएसपी सुभाष शर्मा व चालक लेखराम ने भी इस ऑपरेशन में मदद की। वहीं डॉग स्क्वाड टीम से कॉन्स्टेबल रमेश सिंवर, संत कुमार एवं विजय पालल मय डॉग काईजर तथा जैसलमेर पुलिस टीम में मोहनगढ़ एसएचओ पुखाराम, कोतवाली एसएचओ भवानी सिंह, झिझनियाली एचएचओ हनुवन्त सिंह तथा तीसरी बटालियन आरएसी बी कम्पनी कैम्प जैसलमेर ने भी आरोपियों को पकड़ने में मदद की।

डॉ. राजीव सिवाच ने कार्यभार संभाला

जयपुर। डॉ. राजीव सिवाच ने नाबार्ड, राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया। राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व वह प्रधान कार्यालय के राज्य परियोजना विभाग में कार्यरत थे। डॉ. सिवाच ने सीसीएसएचएयू, हिसार से कृषि स्नातक और एनडीआरआई, करनाल से कृषि अर्थशास्त्र में पीएचडी की है। इससे पहले, डॉ. सिवाच नई दिल्ली, पंजाब और हरियाणा क्षेत्रीय कार्यालयों के भी प्रभारी रह चुके हैं। दिल्ली में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में सहयोग करने के लिए एलटीआईएफ, पीएमएवाई (जी), सूक्ष्म सिंचाई निधि, कृषि विपणन अवसंरचना निधि की रूपात्मकता को तैयार करने के लिए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ बड़े पैमाने पर समन्वय किया है।

किसान को आर्थिक मदद पहुंचाई

जयपुर। विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने अलवर जिले के घेवर गांव के किसान रामू रेबारी को आर्थिक मदद पहुंचाकर अपना वादा पूरा किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, अलवर के पूर्व डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीणा, भाजपा अलवर जिला महामंत्री पवन जैन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तरुण जैन, दौसा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक गुर्जर, जिला परिषद सदस्य राजेंद्र, सुनील गगनदीप इत्यादि और जयपुर से पहुंची टीम में पार्टी कार्यकर्ता लोकेश जोशी, पार्षद गणेश चौधरी, अनुराग जांगिड़ इत्यादि ने किसान रामू रेबारी को सतीश पूनियां की तरफ से आर्थिक मदद सौंपी।

नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने के लिए संस्कृत को बढ़ावा देने की जरूरत : राज्यपाल मिश्र

- **जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह आयोजित**

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने में संस्कृत भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने प्राचीन भारतीय साहित्य एवं संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए संस्कृत को नए संदर्भ देते हुए बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया है। राज्यपाल मिश्र सोमवार को जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन व्यवहार और आदर्श लोकाचार की शिक्षा संस्कृत भाषा में बहुत सहज एवं सुंदर रूप में दी गई है। संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से आंतरिक सुसंगति वाली भाषा है, जो विचारों के आदान-प्रदान के लिए बहुत सरल और मधुर है।

राज्यपाल मिश्र ने समारोह में लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक, जयपुर महानगर टाइम्स के संस्थापक संपादक गोपाल शर्मा, प्रख्यात शिल्प शास्त्री अनूप बरतरिया एवं अन्तर्राष्ट्रीय शूटर अपूर्वी चन्देला को विद्या वाचस्पति (डी.लिट.) की मानद उपाधि प्रदान की। चन्देला किन्ही कारणवश कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सकी। समारोह में विभिन्न संकायों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विद्या वारिधि, विद्या निधि संयुक्ताचार्य एवं आचार्य की उपाधियां प्रदान की गई। राज्यपाल ने इस अवसर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले 16 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 14 विद्यार्थियों को विद्या वारिधि (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की। समारोह का आरम्भ मंगलाचरण एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके उपरान्त राज्यपाल मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्त्तव्यों का पाठ किया। इस अवसर पर बहुभाषी शोध पत्रिका वयम् का लोकार्पण भी किया गया।

धवन की पारी सर्वश्रेष्ठ टी-20 पारियों में से एक : लारा

नयी दिल्ली, 10 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच ब्रायन लारा ने उनकी टीम के खिलाफ पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन की पारी को अब तक की सर्वश्रेष्ठ टी20 पारियों में से एक बताया। पंजाब ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 143/9 का स्कोर खड़ा किया। पंजाब के अन्य बल्लेबाज जहां बुरी तरह असफल रहे, वहीं कप्तान धवन ने 66 गेंद पर नाबाद 99 रन की पारी खेलकर अकेले अपनी टीम के लिये संघर्ष किया। लारा ने इंडियन प्रीमियर लीग के आधिकारिक प्रसारणकर्ता से कहा, ''मुझे शिखर धवन की तारीफ करनी चाहिए। मुझे लगता है कि मैंने टी20 क्रिकेट में अब तक जो भी बेहतरीन पारियां देखी हैं, यह उनमें से एक है।'' धवन को कुछ देर के लिये सैम करन का साथ मिला, लेकिन वह भी 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। पंजाब के नौ विकेट 88 रन पर गिरने के बाद धवन ने अंतिम पांच ओवर खुद खेले और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

एशियाई चैम्पियनशिप के पहले दिन भारत ने जीते तीन पदक

एशियाई सीनियर कुश्ती चैम्पियनशिप

अस्ताना (कजाखस्तान), 10 अप्रैल। भारत ने एशियाई सीनियर कुश्ती चैंपियनशिप (ग्रीको-रोमन प्रतियोगिता) के पहले दिन एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर आयोजन की शुरुआत की है। रूपिन ने रविवार को शुरु हुई प्रतियोगिता के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि नीरज ने 63 किग्रा वर्ग में और सुनील कुमार ने 87 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीते। रूपिन को स्वर्ण पदक के लिये ईरान के दाद मर्ज़ का सामना करना था। ज़गरेब ओपन चैंपियन मर्ज़ ने 3-1 से जीत दर्ज करके स्वर्ण हासिल किया। इससे पूर्व, रूपिन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और 2022 के रजत पदक विजेता कजाकिस्तान की अमंगली बेकबोलातोव को क्वार्टर फाइनल में मात दी थी। सेमीफाइनल में रूपिन ने चीन के हैफेंग झांग को 3-1 से हराया था। दूसरी ओर, नीरज ने 63 किग्रा वर्ग में कोरिया के जिनसेब सोंग को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय के लिये दूसरा कांस्य सुनील कुमार ने जीता, जिन्होंने 87 किग्रा वर्ग में जापान के मासाटो सुमी को 4-1 से शिकस्त दी।

अधिकारी और रॉबर्टसन के बीच झड़प की समीक्षा करेगी रैफरी संस्था

लीवरपूल, 10 अप्रैल। पेशेवर रैफरी की प्रभारी संस्था प्रोफेशनल गेम मैच ऑफिशियल्स लिमिटेड (पीजीएमओएल) ने कहा है वे रविवार को आर्सेनल के खिलाफ लीवरपूल के मुकाबले के दौरान एंडी रॉबर्टसन और सहायक रैफरी कोन्सटेनटाइन हात्जिदाकिस के बीच झड़प की समीक्षा कर रहे हैं। वीडियो रीप्ले से संकेत मिलते हैं कि एनफील्ड में प्रीमियर लीग मैच के दौरान मध्यांतर की सीटी बजने के बाद हात्जिदाकिस ने लीवरपूल के डिफेंडर से टक्कर होने पर अपनी बांह उठाई। स्काई स्पोर्ट्स के कैमरों से जूम करने पर दिखा कि हात्जिदाकिस ने जानबूझकर अपना हाथ उठाया और रॉबर्टसन से संपर्क किया। रॉबर्टसन ने इशारा करके बताया कि अधिकारी ने उन्हें मारा।

रोमांचक मुकाबले में सुपरजायंट्स की जीत

बेंगलुरु, 10 अप्रैल। लखनऊ सुपरजायंट्स ने मार्कस स्टॉयनिस (30 गेंद, 65 रन) और निकोलस पूरन (19 गेंद, 62 रन) की बेबाक बल्लेबाजी की बदौलत सांस रोक देने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक विकेट से मात दी। आरसीबी ने शीर्ष क्रम के प्रहार की मदद से सुपरजायंट्स के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा, जिसे सुपरजायंट्स ने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। मेज़बान टीम को विराट कोहली (44 गेंद, 61) रन ने मज़बूत शुरुआत दी, जबकि फाफ डु प्लेसिस (46 गेंद, 79 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (29 गेंद, 59 रन) ने दूसरे विकेट के लिये 115 रन की विस्फोटक साझेदारी करके टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

स्टॉयनिस और पूरन की पारियों ने हालांकि इस स्कोर को बौना साबित कर दिया। दोनों बल्लेबाज क्रमशः 200 और 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्द्धशतक जड़ने के बाद आउट हो गये, जिसके बाद सुपरजायंट्स को आखिरी ओवर में पांच रन चाहिये थे। हर्षल पटेल ने इस ओवर की पांच गेंदों पर दो बल्लेबाजों को आउट करने के साथ सिर्फ चार रन दिये। सुपरजायंट्स को आखिरी गेंद पर एक रन की जरूरत थी। आवेश खान इस गेंद को बल्ले से नहीं मार सके, लेकिन विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक की गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने एक रन लेकर सुपरजायंट्स को जीत दिला दी।

सुपरजायंट्स के सामने 213 रन का बड़ा लक्ष्य था और आरसीबी के लिये गेंदबाजी की शुरुआत करने आये मोहम्मद

सिराज ने पहले ओवर में दर्शनीय स्विंग पर काइल मेयर्स को बोल्ड किया। वेन पार्नेल ने चौथे ओवर में दीपक हुड्डा (नौ) और क्रुणाल पांड्या (शून्य) को पवेलियन लौटा दिया।

दूसरे छोर से केएल राहुल को भी संघर्ष करना पड़ा और सुपरजायंट्स पावरप्ले में 37 रन ही जोड़ सकी। सुपरजायंट्स को जब 13 ओवर में 170 रन चाहिये थे तब स्टॉयनिस ने जोखिम उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी शुरू की। स्टॉयनिस को दो रन पर जीवनदान मिला था जब सिराज मिड-ऑन पर पीछे की ओर भागते हुए उनका कैच नहीं पकड़ सके थे। आरसीबी को इसका हरजाना भुगतना पड़ा और स्टॉयनिस ने 30 गेंद पर छह चौके और पांच छक्के लगाकर 65 रन की पारी खेल डाली। सुपरजायंट्स पलक झपकते ही 10 ओवर में 91 रन के स्कोर पर पहुंच गयी। कर्ण शर्मा ने 11वें ओवर में स्टॉयनिस को आउट करके आरसीबी को क्षणिक राहत दिलाई, लेकिन पूरन ने अपनी दूसरी ही गेंद पर छक्का लगाकर अपनी अविश्वसनीय पारी का आगाज कर दिया। कप्तान राहुल 20 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद पूरन ने बडोनी के साथ मैच-जिताऊ साझेदारी की।

वामहस्त पूरन ने आरसीबी के सभी गेंदबाजों को निशाना बनाते हुए मात्र 19 गेंद पर 62 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और सात गगनचुंबी छक्के जड़ते हुए आयुष बडोनी के साथ छठे विकेट के लिये 84 रन की साझेदारी की। सुपरजायंट्स को चार ओवर में मात्र 28 रन चाहिये थे लेकिन इस मैच में दो और अहम मोड़ आये।

दिल्ली दूरस्त : कैपिटल्स को पहली जीत की तलाश

नयी दिल्ली,10 अप्रैल। डेविड वॉर्नर की दिल्ली कैपिटल्स मंगलवार को यहां अरुण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियन्स के खिलाफ उतरते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सीजन में अपनी पहली जीत की तलाश करेगी। मुंबई को भी उसके शुरुआती दो मुकाबलों में हार मिली है, लेकिन उसके कुछेक खिलाड़ी अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन करते नज़र आये हैं। दूसरी ओर, दिल्ली हार की हैट्रिक लगा चुकी है और उसके सामने खराब फॉर्म और चोट से जुड़ी चिंताओं का अंबार लगा हुआ है। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अब तक के तीन मैचों में तेज गेंदबाजों को पढ़ने में असफल रहे हैं। उनके जोड़ीदार डेविड वॉर्नर ने तीनों मैचों में अद्धर्शतक जमाये हैं, लेकिन उनका खराब स्ट्राइक रेट दिल्ली की हार का एक कारण ही बन सका है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले मिचेल मार्श निजी कारणों से कुछ समय के लिये ऑस्ट्रेलिया लौट गये हैं। दिल्ली ने पिछले मैच में उनके स्थान पर मनीष पांडे को बल्लेबाजी के लिये उतारा लेकिन वह भी कुल शून्य रन का योगदान ही दे सके। मध्य ओवरों में रन गति बढ़ाना दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता रही है। फ्रेंचाइजी से इसी सीजन जुड़े राइली रूसो अब तक कोई महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सके हैं। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने गुजरात टाइटन्स के विरुद्ध पदार्पण करते हुए आक्रामकता दिखाई थी, हालांकि उन्हें विकेट पर थोड़ा और समय बिताना होगा।

दिल्ली के बल्लेबाज जहां बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहे हैं, वहीं गेंदबाज भी विपक्षी टीम पर दबाव नहीं बना सके हैं। दिल्ली भले ही मध्य ओवरों में रनगति पर किसी तरह लगाम लगा भी ले, अंतिम ओवरों में उसकी गेंदबाज़ी की कमज़ोरियां ज़ाहिर हो ही जाती हैं। तेज गेंदबाज खलील अहमद मांसपेशी की चोट के कारण मुंबई के खिलाफ मुकाबले से बाहर रह सकते हैं। अगर खलील मैच से पहले पूरी तरह फिट नहीं होते, तो दिल्ली उनके स्थान पर चेतन सकारिया को एकादश में शामिल कर सकती है।

दूसरी ओर, पांच बार की चैंपियन मुंबई को भी पहली जीत के साथ अंक तालिका में खाता खोलने का इंतजार होगा। आईपीएल 2020 में अजेय लगने वाली मुंबई पिछले तीन सीज़न से प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी है। जसप्रीत बुमराहा का चोटग्रस्त होना उनके लिये पहले ही बड़ी चिंता थी, जोफ्रा आर्चर भी कोहनी की समस्या के कारण टूर्नामेंट के कुछ हिस्से से बाहर रह सकते हैं। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म के कारण मुंबई की बल्लेबाजी काफी हद तक तिलक वर्मा पर निर्भर है। अगर मुंबई अरुण जेटली स्टेडियम पर जीत दर्ज करके दो अंक हासिल करना चाहती है, तो उसके बल्लेबाजों को संयुक्त रूप से प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली के कोच रिकी पॉन्टिंग ने राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध हार के बाद कहा था कि उनकी टीम को आत्ममंथन की जरूरत है।

त्रिपाठी की फॉर्म टीम के लिये अच्छा संकेत : एडेन मार्करम

हैदराबाद,10 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 74 रन की मैच-जिताऊ पारी खेलने वाले बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी फॉर्म टीम के लिये अच्छा संकेत है। पंजाब ने रविवार शाम के मुकाबले में सनराइजर्स के सामने 144 रन का लक्ष्य रखा था, जिसका पीछा करते हुए मार्करम की टीम ने 45 रन पर दो विकेट गंवा दिये। राहुल ने इसके बाद सनराइजर्स की पारी को संभाला और कप्तान एडेन मार्करम के साथ 100 रन की नाबाद साझेदारी करके अपनी टीम को आठ विकेट की जीत दिलाई। मार्करम ने मैच के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, राहुल ने बिल्कुल अपनी ही तरह की पारी खेली। वह शानदार लय में थे। मैंने उनसे शुरुआत में बात की और उन्होंने कहा कि वह थोड़ा संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन एक बार पिच पर पांव जमाने के बाद उन्होंने गेंदबाजों पर दबाव बनाया। मैं उनके लिये खुश हूं। वह बल्लेबाजी क्रम पर से काफी दबाव हटा लेते हैं और उनका फॉर्म में होना हमारे लिये अच्छा संकेत है। यह आईपीएल के इस सीजन में सनराइजर्स की पहली जीत थी, जबकि पिछले दो मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा था। मार्करम ने कहा कि वह इस मैच में अपनी योजनाओं को लागू कर पाये, जो सनराइजर्स हैदराबाद में बतौर कप्तान उनकी पहली जीत का कारण बना। मार्करम ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि पिछले मैचों से इस मैच में क्या बदला, लेकिन हम अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू कर पाये।

ग्रीन को उम्मीद, सचिन की सलाह आयेगी काम

नयी दिल्ली, 10 अप्रैल। आईपीएल के अपने पहले सत्र में 17.50 करोड़ रूपये में बिके कैमरन ग्रीन को उम्मीद है कि सचिन तेंदुलकर की सलाह से उन्हें लीग में मदद मिलेगी। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और मध्यम तेज गेंदबाजी से ग्रीन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौलाओं में से एक बन गए हैं। ग्रीन अभी तक मुंबई इंडियंस के लिये अपना चिर परिचित फॉर्म नहीं दिखा सके हैं। मुंबई इंडियंस के आइकन तेंदुलकर से अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने कहा,'' सचिन जब बोलते हैं तो हर कोई सुनना चाहता है। उन्होंने बताया कि सफेद गेंद के क्रिकेट में बल्ला कैसे थामना है ताकि आफ साइड पर ज्यादा रन बन सकें।'' अपने करोड़ों रूपये के अनुबंध का कितना दबाव है, यह पूछने पर उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। सहयोगी स्टाफ और सीनियर खिलाड़ियों से बात करके कोई दबाव महसूस नहीं होता।

बीसीसीआई ने घरेलू सीजन 2023-24 का शेड्यूल जारी किया

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय क्रिकेट का 2023-24 घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट के साथ 28 जून से शुरू होगा जबकि रणजी ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पांच जनवरी से होगा। इस दौरान दलीप ट्रॉफी छह क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी। इसके बाद देवधर ट्रॉफी लिस्ट ए टूर्नामेंट 24 जुलाई से 3 अगस्त, ईरानी कप 1 से 5 अक्टूबर, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पुरुषों की टी20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप 16 अक्टूबर से 6 नवंबर और विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी 23 नवंबर-दिसंबर 15 का आयोजन होगा।

पुरुषों के सीनियर वर्ग में रणजी ट्रॉफी सत्र का आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके एलीट ग्रुप के लीग चरण के मैच पांच जनवरी से 19 फरवरी के बीच खेले जायेंगे जबकि नॉकआउट चरण का आयोजन 23 फरवरी से 14 मार्च तक होगा। यह टूर्नामेंट 70 दिन तक चलेगा। प्लेट ग्रुप के लीग मैच पांच जनवरी से पांच फरवरी के बीच जबकि नॉकआउट चरण नौ से 22 फरवरी तक खेला जाएगा। एलीट वर्ग में चार ग्रुप में आठ-आठ टीमें होंगी जिसमें से हर ग्रुप की शीर्ष की दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट ग्रुप में छह में से शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट ग्रुप के फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें आगामी सत्र (2024-25) में एलीट ग्रुप में शामिल होंगी। एलीट ग्रुप की 32 टीमों की समग्र तालिका में आखिरी दो स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेट ग्रुप में खिसक जायेंगी। सीनियर महिला सत्र की शुरुआत राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के साथ होगी जो 19 अक्टूबर से नौ नवंबर के बीच खेली जाएगी, इसके बाद अंतर क्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी 24 नवंबर से चार दिसंबर तक खेली जाएगी। सीनियर महिला एकदिवसीय ट्रॉफी का आयोजन चार से 26 जनवरी के बीच होगा। सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और वनडे ट्रॉफी में पांच ग्रुप होंगे। इसमें दो ग्रुप में आठ-आठ टीमें जबकि बाकी के तीन ग्रुप में सात-सात टीमें होगी। हर ग्रुप की शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप मैचों के बाद इन 10 टीमों में से शीर्ष छह टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।